दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता खामनेई की हत्या की इज़राइली योजना को वीटो किया: यरूशलम पोस्ट का दावा

न्यूयॉर्क

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इज़राइल की उस योजना को वीटो कर दिया था, जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई की हत्या का प्रस्ताव रखा गया था। यह खुलासा हाल ही में एक रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, इज़राइल की खुफिया एजेंसी ने इस ऑपरेशन के लिए तैयारियां कर ली थीं, लेकिन ट्रंप ने इसे मंजूरी देने से इंकार कर दिया। बताया गया है कि ट्रंप ने आशंका जताई थी कि इस कदम से क्षेत्रीय तनाव एक बड़े युद्ध में बदल सकता है।

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-३१५ वा सोमवार १६ जून २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

एक बॉडी बैग में मिले दो सिर, एयर इंडिया हादसे में परिजनों की मांग-अवशेष नहीं, पूरा शव चाहिए

शवों की पहचान में भारी चुनौती, डीएनए जांच फिर से शुरू

अहमदाबाद, १६ जून (प्रतिनिधि): अहमदाबाद में हुए भयावह एयर इंडिया विमान हादसे के बाद एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक ही बॉडी बैग में दो सिर मिलने से अफरातफरी मच गई और डीएनए जांच की प्रक्रिया दोबारा शुरू करनी पड़ी। इस घटना के बाद मृतकों के परिजनों ने साफ तौर पर कहा है, हमें केवल अवशेष नहीं, पूरा शव चाहिए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक मृतक के परिवार को शव की बैग सौंपे जाने पर उसमें दो अलग-अलग शवों के सिर पाए गए, जिससे अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया। यह घटना टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा उजागर की गई है।

इस गंभीर चूक के बाद शवों की पहचान की प्रक्रिया में और देरी हो गई है। अधिकारियों के अनुसार, डीएनए परीक्षण दोबारा कराना अनिवार्य हो गया है, जिसमें ७२ घंटे का समय लग सकता है।

सरकारी अस्पताल के १२००-बिस्तर वाले परिसर में पोस्टमार्टम

विभाग के बाहर डीएनए विश्लेषण के लिए शवों की बैग्स एकत्र की गई हैं। कई परिजन लगातार प्रार्थना कर रहे हैं कि उन्हें अपने प्रियजन का संपूर्ण शव प्राप्त हो।

वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट की तीव्रता के कारण शव बुरी तरह जल गए हैं, जिससे पहचान करना मुश्किल हो गया है।

सरकारी प्रक्रिया के अनुसार, मृतदेहों को बॉडी बैग में रखकर कोल्ड स्टोरेज में भेजा जाता है, फिर डीएनए जांच के बाद शवों की पहचान करके परिजनों को सौंपा जाता है।

हालांकि प्रशासन ने स्पष्ट किया कि संपूर्ण शव मिलने की गारंटी नहीं दी जा सकती, क्योंकि अधिकतर शवों के अवशेष टुकड़ों में ही मिल पाए हैं। यह स्थिति परिजनों के लिए अत्यंत पीड़ादायक है, लेकिन हादसे की भयावहता को देखते हुए शवों की स्थिति बेहद क्षतिग्रस्त बताई जा रही है।

शाहीन अकॅडमी बीड़ की होनहार छात्रा अलमा फातिमा ने NEET २०२५ में राष्ट्रीय स्तर पर हासिल की शानदार सफलता

बीड़ से रिपोर्ट

शाहीन ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स की बीड़ शाखा की मेधावी छात्रा अलमा फातिमा सैयद असद अली ने छएएढ २०२५ परीक्षा में ऑल इंडिया २६५२ रैंक और कैटेगरी रैंक ९४० के साथ ९९.८७ परसेंटाइल हासिल कर बीड़ शहर का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।

इस सफलता में शाहीन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. अब्दुल कदीर और उनके सुपुत्र अब्दुल हसीब सर व अब्दुल मुकीत सर की अहम भूमिका रही, जिन्होंने बीड़ में विशेष बालिका कैम्पस की स्थापना कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस सफलता पर बिदर मैनेजमेंट ने अलमा फातिमा, उनके माता-पिता और शाहीन बीड़ शाखा के समस्त स्टाफ को बधाई दी। साथ ही बिदर हेड ऑफिस, ज़ोनल ऑफिस और ब्रांच एकेडमिक्स की टीम के प्रयासों की भी सराहना की गई।

इस उपलक्ष्य में शाहीन अकॅडमी बीड़ कैम्पस में एक संक्षिप्त सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता मुफ्ती अब्दुल्ला कुरैशी (अध्यक्ष, जमीयत उलेमा बीड़), मौलाना साबिर रशीदी (जनरल सेक्रेटरी, जमीयत उलेमा बीड़), डॉ. फिरोज सर (मैक्स क्योर हॉस्पिटल), सैयद फारूक पटेल (पूर्व उपाध्यक्ष नगरपालिका बीड़), अशफाक इनामदार (अध्यक्ष, संजय गांधी निराधार योजना समिति), मुजतबा अहमद खान सर (जमीयत उलेमा बीड़), सी. आर. पाटेल (वरिष्ठ पत्रकार, लोकमत टाइम्स), जावेद पाशा सर (दैनिक एतमाद), सैयद नवीदुज़मा (पूर्व निदेशक, मौलाना आज़ाद फाइनेंशियल कॉर्पोरेशन, मुंबई), मोमिन खालिद भाई (एपेक्स हॉस्पिटल), असद अली (पिता), आसिम ज़मा (चाचा), सैयद नबील ज़मा (युवा नेता), वाजिद कुरैशी (जमीयत अल कुरैश) समेत अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर अलमा फातिमा और उनके माता-पिता ने अल्लाह का शुक्र अदा करते हुए शाहीन ग्रुप के ज़िम्मेदारों और अपने शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

शाहीन बीड़ शाखा के प्रिंसिपल और स्टाफ ने इस कार्यक्रम की सफलता में प्रमुख भूमिका निभाई। सभी छात्राओं ने अलमा फातिमा को शुभकामनाएं और बधाइयाँ दीं।

शिवसेना-राष्ट्रवादी विवाद फिर भड़का

गोगावले का दावा – रश्मी ठाकरे के कारण ही शिवसेना में फूट पड़ी

मुंबई, १५ जून (प्रतिनिधि):

राज्य की महायुती सरकार में सहयोगी दल शिवसेना (शिंदे गुट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) के बीच चल रही खींचतान और तेज हो गई है। रायगढ़ जिल्हे के पालकमंत्री पद को लेकर चल रहे वाद के बीच मंत्री भरतशेठ गोगावले ने शिवसेना (ठाकरे गुट) पर एक और नया हमला बोलते हुए सीधे रश्मी ठाकरे को निशाने पर लिया है। उन्होंने एक समाचार चैनल को दिए गए इंटरव्यू में उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मी ठाकरे पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

गोगावले ने कहा कि,

उद्धव ठाकरे अपनी पत्नी रश्मी ठाकरे के कहने पर निर्णय लेते थे, जिससे कई विधायक नाराज़ थे और इसी कारण शिवसेना में फूट पड़ी।

गोगावले का दावा है कि महाविकास आघाड़ी सरकार की स्थापना के समय एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय हो चुका था, लेकिन रश्मी ठाकरे ने इसका विरोध किया। यदि उस समय शिंदे मुख्यमंत्री बन गए होते, तो शिवसेना में फूट नहीं पड़ती। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रश्मी ठाकरे ने ही आदित्य ठाकरे को मंत्रीपद दिलाने पर जोर दिया और नारायण राणे, छगन भुजबळ और राज ठाकरे जैसे नेता शिवसेना में वापसी के लिए तैयार थे, लेकिन रश्मी ठाकरे ने इस राह में अड़चन डाली।

इस बयान पर शिवसेना (ठाकरे गुट) ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि

भरत गोगावले का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है और उनके आरोप सिरे से बेबुनियाद हैं।

ठाकरे गुट ने यह भी कहा कि यह सब ध्यान भटकाने और राजनीतिक लाभ लेने की एक कोशिश है।

इस चौतरफा घमासान के चलते महायुती के भीतर खींचतान और सार्वजनिक हो रही है, जिससे सरकार के भीतर असंतोष की झलक साफ दिखाई दे रही है।

शिवसेना और राष्ट्रवादी के बीच फिर टकराव

मंत्री भरत गोगावले का तटकरे पर तीखा हमला, परांजपे का करारा जवाब

रिपोर्ट: जमीर काज़ी । मुंबई, १५ जून

राज्य की महायुती सरकार के दो प्रमुख घटक - शिवसेना (शिंदे गुट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) के बीच चला आ रहा मतभेद खत्म होने की बजाय और तेज होता जा रहा है। रायगढ़ जिले के र'(७ मंत्री पद को लेकर संघर्ष और खुलकर सामने आया है। रोजगार हमी योजना मंत्री भरतशेठ गोगावले ने एक बार फिर अपने पारंपरिक प्रतिद्वंदी और राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष सांसद सुनील तटकरे पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं।

भरत गोगावले ने एक टेलीविजन इंटरव्यू में कहा कि,

तटकरे जी सिंचन घोटाले से बचे हैं लेकिन यह मामला दोबारा खुल सकता है। हर किसी को अपने कर्मो का फल भोगना ही पड़ता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव में तो तटकरे उनकी वजह से ही जीते, वरना उनका टांगा पलटी' हो गया होता। लेकिन विधानसभा चुनाव में तटकरे ने उनके उम्मीदवारों महेंद्र दळवी और महेंद्र थोरवे को हराने की पूरी कोशिश की थी, इसलिए अब कोई समझौता संभव नहीं है।

इस पर राष्ट्रवादी कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता आनंद परांजपे ने कड़ा पलटवार करते हुए कहा:

रायगढ़ के थ्री इडियट्स' में से एक इडियट' ने फिर से तटकरे पर जहर उगला है। तटकरे के परिवार में हाल ही में भतीजी की बहू की विमान दुर्घटना में मृत्यु हुई है और परिवार गहरे शोक में है। ऐसे समय में भरत गोगावले का इस तरह का बयान अमानवीय है।

उन्होंने कहा कि अगर सिंचन घोटाले की कोई फाइल अटकी है, तो गोगावले उसे सामने लाएं। साथ ही उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि गोगावले ने जब जिलापरिषद में सार्वजनिक बांधकाम सभापति रहते हुए जो घोटाले किए हैं, वे अगले ७ दिनों में उजागर किए जाएंगे।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि यदि २०१९ में तटकरे ने युतीधर्म का पालन न किया होता तो गोगावले समेत दो और उम्मीदवार चुनाव हार जाते। उन्होंने यह भी कहा कि तटकरे अपने काम के दम पर जीते थे, और थ्री इडियट्स अब निराधार आरोप लगा रहे हैं।

भरत गोगावले का तीखा जवाब:

आनंद परांजपे के आरोपों पर पलटवार करते हुए मंत्री गोगावले ने कहा: हर कोई अब अपनी-अपनी तरफ से बोल रहा है। जबसे उनके पालकमंत्री पद पर रोक लगी है, तभी से उन्हें मिर्ची लगी है। मैं उन्हें चुनौती देता हूँ - मेरे सारे १०० प्रतिशत घोटाले सामने लाएं। अगर वे साबित कर दें, तो मैं मंत्रीपद और विधायकपद से इस्तीफा दे दूंगा। लेकिन अगर वे ऐसा नहीं कर पाए, तो क्या आनंद परांजपे अपने मुंह पर कालिख पोतेंगे?

इस चुनौती से राज्य की राजनीति में नया घमासान छिड़ने के संकेत मिल रहे हैं।

शिक्षा, कोचिंग और आत्महत्या-कोटा का मौन शोक

साकिब सैफ़ चला गया.

..! केवल २२ साल का युवा, छएएढ २०२५ में कम रैंक आने से टूट गया। घर लौटा, और फिर हमेशा के लिए खामोश हो गया।

क्या यह केवल एक आत्महत्या है? या हमारे शिक्षा तंत्र का वह कुरूप चेहरा, जिसे हम वर्षों से नज़रअंदाज़ करते आ रहे हैं?

यह पहली घटना नहीं है। कोटा जैसे शैक्षणिक शहर में हर साल हज़ारों छात्र लाखों सपने लेकर आते हैं - मगर दर्जनों अर्थियाँ लौटती हैं। अब यह वह क्षण है जब हमें रुककर सोचना होगा: क्या हमारी शिक्षा सिर्फ नंबरों और रैंकों तक सिमट गई है?

नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत पर शुभकामनाएँ

देश के अधिकांश हिस्सों में कल से नया स्कूल सत्र शुरू हो रहा है। हज़ारों बच्चे किताबें, बस्ते, सपने और उम्मीदें लेकर स्कूलों में प्रवेश करेंगे। यह वर्ष सिर्फ पाठ्यक्रम सीखने का नहीं, बल्कि ज़िंदगी को समझने और खुद को जानने का अवसर है।

हम सभी शिक्षकों, अभिभावकों और शिक्षानीतियों से निवेदन करते हैं कि इस शुरुआत को केवल सिलेबस की शुरुआत न मानें - बल्कि इसे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तित्व निर्माण की बुनियाद बनाएं।

कोटा में आत्महत्याओं के आंकड़े: एक भयावह तस्वीर

२०१५ से २०२४ के बीच लगभग १२७ छात्रों ने कोटा में आत्महत्या की।

२०२३ में यह संख्या २६ थी - अब तक की सबसे अधिक।

२०२४ में प्रयासों के बाद यह घटकर १७ रह गई - यानी ३८% की कमी।

२०२५ के पहले ५ महीनों में ही अब तक १४ आत्महत्याएँ हो चुकी हैं - और साकिब सैफ़ इस सूची में सबसे ताज़ा नाम है।

इनमें अधिकांश छात्र छएएढ और गएए की तैयारी कर रहे थे - जो या तो असफल हुए या अपेक्षा से कम रैंक मिली।

ये केवल आंकड़े नहीं हैं - हर एक के पीछे एक बचपन, एक मां, एक सपना और एक भविष्य दफ़न है।

एक दार्शनिक दृष्टिकोण

क्या इंसान का अस्तित्व सिर्फ एक परीक्षा में सफल होने तक सीमित है?

प्लेटो कहता है: शिक्षा आत्मा को अंधकार से निकालकर प्रकाश में लाती है।

लेकिन हमारे कोचिंग संस्थान आत्मा को मुक्त करने के बजाय, उसे अंकों की कैद में डाल रहे हैं।

जब १६ वर्षीय बच्चा यह मान ले कि छएएढ या गएए ही एकमात्र रास्ता है, तो यह हमारा सामूहिक नैतिक पतन है।

ज्ञान का उद्देश्य नौकरी नहीं, बल्कि जीवन को समझना है। भारतीय दर्शन में ज्ञान को मोक्ष का मार्ग माना गया, लेकिन आज शिक्षा बोझ बनती जा रही है।

कोचिंग सेंटर्स के लिए सुझाव

परामर्श और काउंसलिंग की व्यवस्था अनिवार्य हो - थकञ मानकों के अनुसार।

सफलता की नई परिभाषा सिखाएं - बताएं कि जीवन सिर्फ रैंक से बड़ा है।

कला, खेल और मानसिक शांति के सत्र नियमित हों।

शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाए कि वे केवल सिलेबस न पढ़ाएं, बल्कि जीवन का बोध भी दें।

छात्रों के लिए संदेश

असफलता का मतलब अंत नहीं होता - यह एक नया आरंभ भी हो सकता है।

अपनी पहचान सिर्फ रैंक से मत जोड़िए - जीवन के कई रास्ते हैं। किसी से बात कीजिए - अकेलापन सबसे खतरनाक स्थिति है।प्लान-बी रखें - डॉक्टर न बन सकें तो भी इंसान जरूर बनें।प्यार और समझ का वातावरण दें - तुलना और दबाव से बचें।बच्चे की भावनात्मक स्थिति पर ध्यान दें - मूड, नींद, भूख, दोस्तों पर नजर रखें।

यह मान लें कि हर बच्चा टॉपर नहीं हो सकता - लेकिन वह जीवन का विजेता ज़रूर बन सकता है।

पेड़ बीज से अंकुर बनने से पहले अंधेरे में जड़ें जमाता है। बरसात सहता है, मौसमों से लड़ता है - तब जाकर वह छांव देता है।एक छात्र भी ऐसा ही होता है। हमें सिर्फ यह सिखाना है कि अगर आज अंधेरा है, तो कल उजाला ज़रूर होगा - बशर्ते ज़िंदगी बची हो।

साकिब सैफ़ अब नहीं रहा - लेकिन वह हम सबके लिए एक आइना छोड़ गया है।

हमें शिक्षा व्यवस्था, कोचिंग संस्कृति और पारिवारिक दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करना होगा।

शिक्षा का असली मकसद केवल टॉप रैंक लाना नहीं, बल्कि ज़िंदगी की ऊँच-नीच को समझ कर आत्मनिर्माण करना है।और जब कल लाखों बच्चे स्कूलों की दहलीज़ पर कदम रखेंगे,तो यह हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी होगी कि वे सिर्फ अच्छे विद्यार्थी नहीं, बल्कि मजबूत, शांतिपूर्ण और जागरूक नागरिक बनें।अगर हमने समय रहते यह सबक नहीं सीखा,

तो साकिब के बाद यह सूची और लंबी होती जाएगी - और हम... बस शोक मनाते रहेंगे।

-काजी मखदूम

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

बिंदुसरा नदी किनारे होगी वृक्षारोपण मुहिम- नाईकवाडे और पटेल की पहल पर नगर परिषद सक्रिय

बीड, १५ जून (प्रतिनिधि):
बीड शहर के मध्य से बहने वाली बिंदुसरा नदी का किनारा हाल ही में कचरे और अवांछित झाड़ियों से बुरी तरह प्रदूषित हो गया था। बरसात के मौसम को देखते हुए संभावित खतरे को भांपते हुए नगर परिषद में गटनेता फ़ारूक पटेल और पूर्व नगरसेवक अमर नाईकवाडे ने नगर परिषद की मुख्याधिकारी श्रीमती नीता अंधारे से मुलाकात कर नदी के आसपास सफाई अभियान चलाकर बांस जैसे वृक्षों का वृक्षारोपण करने की मांग की थी। इस मांग को गंभीरता से लेते हुए मुख्याधिकारी अंधारे ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सफाई मुहिम शुरू कर दी।

इस स्वच्छता मुहिम से बिंदुसरा नदी को एक नई सांस मिली है और आसपास का क्षेत्र भी साफ-सुथरा बना है। मुख्याधिकारी नीता अंधारे ने स्वयं स्थल का दौरा कर सफाई कार्य का जायज़ा लिया।

पिछले कुछ दिनों से बिंदुसरा नदी और उसके आस-पास के क्षेत्र में कचरा, गंदगी और अव्यवस्थित झाड़ियाँ उग आई थीं, जिससे नदी का सौंदर्य बिगड़ गया था। साथ ही, स्थानीय लोग भी नदी के किनारे कचरा फेंक रहे थे, जिससे गंदगी और दुर्गंध का माहौल बन गया था।

इस संदर्भ में नाईकवाडे और पटेल ने मांग की कि मोंढा रोड से लेकर श्री संत सावता माळी मंदिर, जैन भवन और सुभाष रोड तक की पूरी पट्टी में व्यापक सफाई की जाए और

इसके दोनों किनारों पर वृक्षारोपण किया जाए। मुख्याधिकारी अंधारे ने इस प्रस्ताव पर तुरंत कार्रवाई करते हुए सफाई अभियान शुरू करवाया और आश्वासन दिया कि शीघ्र ही वृक्षारोपण भी प्रारंभ किया जाएगा।

इस दौरान खासबाग देवी मंदिर, मोमिनपुरा, सोमेश्वर नगर जैसे क्षेत्रों में भी इसी तरह सफाई और वृक्षारोपण करने का सुझाव दिया गया है। स्थानीय नागरिकों ने सफाई से प्रसन्नता जताई है।

इस मौके पर मुख्याधिकारी श्रीमती नीता अंधारे, नगरसेवक अमर नाईकवाडे, गटनेता फ़ारूक पटेल, पूर्व नगरसेवक अशफाक इनामदार, नगर परिषद के अधिकारी, कर्मचारी तथा श्री संत सावता प्रतिष्ठान के सदस्य उपस्थित थे।

इसके अतिरिक्त, मोंढा रोड से जैन भवन तक के क्षेत्र का सौंदर्यीकरण करने के लिए अमर नाईकवाडे और फ़ारूक पटेल प्रस्ताव प्रस्तुत करने वाले हैं। इस परियोजना को मंजूरी दिलाने के लिए वे पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे और पूर्व विधायक अमरसिंह पंडित के माध्यम से अजित पवार से मुलाकात करेंगे, ऐसा भी बताया गया है।

बीड के एन.के. कॉलोनी में युवा नेता डॉ.योगेश क्षीरसागर के हाथों विकास कार्यों का उद्घाटन

बीड, १५ जून (प्रतिनिधि):
राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के युवा नेता डॉ. योगेश क्षीरसागर की उपस्थिति में बीड शहर के पेठ बीड क्षेत्र स्थित एन.के. कॉलोनी में रविवार (१५ जून) को स्थानीय निधि से संपन्न विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन किया गया।

इन कार्यों में ओपन स्पेस में उद्यान का निर्माण, कंपाउंड वॉल और मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण शामिल है। इस अवसर पर नागरिकों से संवाद करते हुए डॉ. क्षीरसागर ने कहा कि भले ही यह कार्य स्थानीय निधि से पूर्ण किए गए हों, लेकिन आने वाले समय में वे शासन स्तर पर भी फॉलोअप कर अतिरिक्त निधि लाने के लिए कटिबद्ध हैं।

इस कार्यक्रम में नगरसेवक प्रेम चांदणे, एडवोकेट विकास जोगदंड, रामसिंह टाक, अमर डागा, ओमप्रकाश तोतला, प्रकाश गायकवाड़, शारदा दुलगज, रमेश गुरसाळी समेत अनेक मान्यवर और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

इस दौरान डॉ. क्षीरसागर ने नागरिकों की समस्याएँ भी सुनीं और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया।

प्रधानमंत्री मोदी के कारण 'सुशासन' देश की संस्कृति बना-मंत्री पंकजा मुंडे

अमरावती, १६ जून (प्रतिनिधि):
केंद्रीय नेतृत्व के मजबूत स्तंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ११ वर्षों के कार्यकाल को देश के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। इस कालखंड में भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी गई और सरकार का मतलब सेवा है, इस भाव से कार्य किया गया। प्रधानमंत्री मोदी के कारण आज 'सुशासन' देश की संस्कृति बन चुकी है। यह बात महाराष्ट्र की पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन व पशुसंवर्धन मंत्री पंकजा मुंडे ने अमरावती में भाजपा के 'संकल्प से सिद्धि' कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए कही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के ११ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में भाजपा द्वारा 'संकल्प से सिद्धि'

अभियान चलाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत अमरावती में आयोजित कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में पंकजा मुंडे ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने बीते ११ वर्षों में प्रगति की दिशा में ऐतिहासिक कदम बढ़ाए हैं। तकनीक के प्रभावी उपयोग से विकास को गति मिली है और जहां-जहां भाजपा की सरकारें हैं, वहां गरीबों का विकास प्राथमिकता में रहा है। मोदी सरकार ने भ्रष्टाचार मुक्त शासन, आम जनता तक योजनाओं की सीधी पहुँच, आयुष्मान भारत, भारत को पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना, जनधन योजना, ऑपरेशन सिंदूर जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि मोदी सरकार की इन लोककल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाना ही हमारा दायित्व है।

इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता जैसे शहराध्यक्ष डॉ. नितीन धांडे, जिलाध्यक्ष प्रभुदास बिलावलेकर, रविराज देशमुख, प्रवक्ता शिवराज कुलकर्णी, जयंत डेहणकर, ललित समदूरकर, युवा मोर्चा प्रमुख बादल कुलकर्णी, कौशिक अग्रवाल, राजु कुरील, सुनील काळे, संजय नरवणे, कुसुमताई साहू, राधा कुरील सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यक्रम से पूर्व पंकजा मुंडे ने अमरावती के प्रसिद्ध श्री अंबादेवी मंदिर में दर्शन किए और एकवीरा माता के मंदिर में पूजन कर सप्त गोमाता प्रदक्षिणा गोशाला का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं को कपड़े की थैलियाँ वितरित कर एकल प्लास्टिक बंदी को लेकर जागरूक किया। इसके साथ ही मंदिर ट्रस्ट द्वारा आयोजित स्नेह सत्कार को उन्होंने स्वीकार किया।

मोमिनपुरा ढगे कॉलोनी में मास्टर, पटेल और इनामदार द्वारा सफाई अभियान; स्थानीय जनता ने जताया आभार

बीड, १५ जून (संवाददाता):
बीड के मोमिनपुरा स्थित ढगे कॉलोनी में पिछले कई दिनों से जमा कचरे और गंदगी के कारण सड़क और नालियां पूरी तरह भर चुकी थीं, जिससे इलाके में तेज दुर्गंध और बीमारियों का खतरा बढ़ गया था। स्थानीय नागरिकों की मांग पर वरिष्ठ नेता मोइन मास्टर, फारूक पटेल और अशफाक इनामदार ने विशेष रुचि लेकर सफाई अभियान शुरू करवाया।

उन्होंने जेसीबी और ट्रक की मदद से पूरे क्षेत्र की सफाई करवाई, जिससे नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। इस पहल के लिए इलाके की जनता ने इन नेताओं की सेवाओं की सराहना की है और उनका आभार व्यक्त किया है।

स्थानीय जनता का कहना है कि ऐसी तत्परता और जनसेवा से ही बस्ती की हालत सुधर सकती है, और भविष्य में भी इसी तरह के प्रयासों की आवश्यकता है।

अमृत जल योजना की हो गहराई से जांच!

बीड शहर बचाव मंच की जनता की ओर से पालक मंत्री से मांग

बीड, १५ जून (प्रतिनिधि):
बीड शहर बचाव मंच ने बीड शहर की जनता की ओर से मांग की है कि करोड़ों रुपये की लागत से लागू की गई अमृत जल योजना की सख्त और गहराई से जांच की जाए। मंच का कहना है कि यह योजना केवल उद्घाटन और लोकार्पण तक सीमित रह गई, लेकिन आज तक आम जनता को इसका कोई स्थायी लाभ नहीं मिल पाया।

बचाव मंच की टीम ने हाल ही में बीड शहर के विभिन्न हिस्सों में अमृत जल योजना के तहत बनीं नई पानी की टंकियों और पाइपलाइन सिस्टम का निरीक्षण किया। टीम का कहना है कि वर्षों पहले पूरी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो चुकी है, फिर भी योजना कार्यरत नहीं है।

मंच की प्रमुख मांगें व सवाल:
भुयारी गटर योजना (अंडरग्राउंड सीवेज) का क्या हुआ? इसके लिए मिले सैकड़ों करोड़ रुपये का उपयोग कहां किया गया?

शहर में आज भी पानी की आपूर्ति पुरानी और खतरनाक पानी की टंकियों से हो रही है। ये कब तक बंद होंगी?

नई विस्तारित टंकियों का निर्माण तो हुआ, लेकिन क्या वे उपयोग में लाई जा रही हैं? इनकी जांच होनी चाहिए।

नलों से शुद्ध पेयजल की नियमित आपूर्ति कब शुरू होगी?

फिल्टर प्लांट के लिए खरीदी गई ज़मीन और प्लांट का क्या हुआ? वह कहां है?

बचाव मंच ने कहा कि अगर यह योजना पुणे या बारामती जैसे क्षेत्रों में होती और वहां इस तरह विफल होती, तो माननीय पालक मंत्री अजित पवार क्या इसे नजरअंदाज करते? बीड शहर की जनता यह सवाल उठा रही है।

मंच का आरोप है कि केंद्र सरकार द्वारा दिए गए सैकड़ों करोड़ रुपये का गलत इस्तेमाल और भ्रष्टाचार इस योजना में हुआ है। अगर योजना को ईमानदारी और पारदर्शिता से लागू किया गया होता, तो बीड शहर की भीषण पेयजल समस्या आज समाप्त हो चुकी होती।

हर साल गर्मियों में जलसंकट झेल रहे बीड वासियों को आज तक राहत नहीं मिली। अब भी हज़ारों परिवारों के नीले पाइप सूखे पड़े हैं। नल कनेक्शन सिर्फ दिखावे तक सीमित हैं।

इसी प्रकार, भुयारी गटर योजना में भी भारी घोटाले की आशंका जताई गई है। योजना के तहत फिल्टर प्लांट के लिए ज़मीन ली गई, लेकिन उसका कोई अता-पता नहीं। जनता पूछ रही है -

वह ज़मीन और प्लांट कहां गया? यह योजना किसने और कैसे दबा दी? इसकी जिम्मेदारी किस पर है? बचाव मंच ने प्रशासन और संबंधित जनप्रतिनिधियों से तुरंत जवाब देने की मांग की है कि ये योजनाएं किस चरण में हैं, कब शुरू होंगी, और इनपर खर्च हुए करोड़ों रुपये का लाभ जनता को कब मिलेगा?

अब छात्रों को एसटी बस पास सीधे स्कूल में ही मिलेगा!

एसटी प्रशासन की विशेष मुहिम आज से शुरू

रिपोर्ट: जमीर काज़ी । मुंबई, १५ जून

राज्य के स्कूल-कॉलेजों में बस से आने-जाने वाले हजारों छात्रों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। अब उन्हें एसटी (राज्य परिवहन) पास बनवाने के लिए डिपो के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, क्योंकि अब ये पास सीधे स्कूल या कॉलेज में ही उपलब्ध होंगे। इस व्यवस्था के लिए महाराष्ट्र राज्य परिवहन महामंडल द्वारा सोमवार, १६ जून से एसटी पास सीधे आपके स्कूल में नामक विशेष मुहिम शुरू की जा रही है। नए शैक्षणिक वर्ष का पहला सत्र १६ जून से शुरू हो रहा है। सरकार की ओर से छात्रों को एसटी बस से यात्रा करने पर ६६.६६% की छूट दी जाती है। इसके अलावा, पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होळकर योजना के अंतर्गत कक्षा १२वीं तक की सभी छात्राओं को निःशुल्क एसटी पास दिए जाते हैं।

पहले छात्रों को यह पास लेने के लिए एसटी पास केंद्र पर लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता था, या फिर समूह बनाकर एसटी डिपो जाकर पास प्राप्त करना पड़ता था। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। अब स्कूल और कॉलेज द्वारा उपलब्ध कराई गई नामावली के आधार पर एसटी के कर्मचारी छात्रों को पास सीधे स्कूल में वितरित करेंगे, ताकि उनका शैक्षणिक समय बर्बाद न हो। इसके लिए सभी स्कूलों और कॉलेजों के मुख्याध्यापक व प्राचार्य को एसटी डिपो प्रबंधकों द्वारा पत्र भेजकर छात्रों की सूची तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। छात्रों का शैक्षणिक समय बर्बाद न हो, इसलिए परिवहन विभाग ने यह अभिनव योजना लागू करने का निर्णय लिया है। एसटी में यात्रा करने वाले छात्र-छात्राएं इसका भरपूर लाभ उठाएं।

- प्रताप सरनाईक,
परिवहन मंत्री, महाराष्ट्र राज्य

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com
daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com